सभटा कलारूप'क एकीकरण

0337CH20

अहाँकेँ बूझल अछि?

बँसुरी

अहाँक पाठ्यपुस्तकक नाम बँसुरी अछि। ई एकटा सम्मोहक आ मधुर ध्वनिबला वाद्ययन्त्र अछि जे सभकेँ पसिन्न अछि। की अहाँ जनैत छी जे बँसुरी बाँससँ बनैत अछि? अहाँ एकरा स्वयम् सेहो बना सकैत छी आ बजाइयो सकैत छी। जखन अहाँ कोनो मेला-ठेलामे जाइत छी तँ कियो ने कियो खेलौना बेचैत आ बजबैत भेटि जाइत अछि, आओर अहाँसभ ओकर ध्वनिसँ आकर्षित भऽ जाएत छी। वएह बँसुरी नृत्यमे आ नाटकमे उपयोग कएल जाइत अछि। बँसुरी कागज, बाँस वा माटि सँ सेहो बनाओल जा सकैत अछि। अहाँ जङ्गल वा खेतमे ककरो बँसुरी बजबैत दृश्य केर चित्र बना सकैत छी।

सभ कलारूप एक दोसरसँ बहुत भिन्न होइछ; सङ्गहि एहि सभमे बहुत रास समान विशेषता अछि आ एक दोसरासँ जुड़ल अछि। जेना की सङ्गीत, नृत्य, रङ्गमञ्च आ दृश्य कला स्वर, लय, भाव आ तालसँ सम्बन्धित अछि। सभक अपन गति, लय, आ परस्पर संवाद करबाक हेतु अपन भाषा होइछ। अहाँ कलाक माध्यमसँ अपन भावनाकेँ व्यक्त कऽ सकैत छी।

एतय हमरासभ लग किछु गतिविधि अछि जे सभ कलारूपकेँ एक सङ्ग अनैत अछि - अहाँसभ ई गतिविधि कऽ क आनन्द लऽ सकैत छी!

© NCERT not to be republished

गतिविधि 1 कला-रूप सभक एकीकरण

लगभग एक हजार वर्ष पहिने अभिनय दर्पणमे नन्दिकेश्वर द्वारा संस्कृतमे रचित चारि पाँतिक छन्द केर उदाहरण एतय देल गेल अछि। सामान्यतः कलाकार अपन प्रस्तुतिसँ पूर्व एकर पाठ करैत छथि। अहाँ एकरा अपन हाव-भाव सङ्ग जोरसँ पढ़ि सकैत छी। अहाँ QR कोडकेँ स्कैन कऽ वीडियो सेहो देखि सकैत छी।

आङ्गिकम् भुवनम् यस्य, वाचिकं सर्व वाङ्मयम्।
आहार्यम् चन्द्र तारादि, तं वन्दे सात्त्विकम् शिवम्॥

अर्थ

जतए भौतिक काया ब्रह्माण्ड, वाणी वा गीत सभ ध्वनिक सार, अलङ्करण चन्द्र आ तारा अछि। हम ओहि परम दिव्यताकेँ प्रणाम करैत छी।

चारु कला-रूप जे अहाँ सीखि रहल छी ई ओहिसभकेँ सङ्ग लऽ अबैत अछि—

आङ्गिक — सञ्चलन, क्रिया आ अभिव्यक्तिक सङ्ग आङ्गिक प्रदर्शन

वाचिक — भाषण, संवाद, गीत आ कविता

आहार्य — वेशभूषा, आभूषण, मूर्तिकला आओर चित्रकला

सात्विक — कलाकार आ दर्शक लेल आन्तरिक भावनात्मक आ आध्यात्मिक अनुभूति।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 2 बँसुरी

अहाँ अपनो बँसुरी बना सकैत छी जाहि लेल अहाँकेँ मात्र एकटा मोटगर चार्टपेपर, गोन्द, कैञ्ची आ किछु मोमी-रङ्ग, क्रेयॉन वा रङ्गीन पेन्सिलक आवश्यकता हएत।

- चार्ट पेपर पर बँसुरीक चित्र बनाउ। एकरा बेलनाकार घुमाउ आओर किनारी पर गोन्द लगा कऽ साटि दियौ। एहिमे छोट-छोट छेद करू आ अहाँक बँसुरी तैयार अछि।
- अहाँ बँसुरी पर किछु चित्रकारी कऽ सकैत छी आ विभिन्न प्रकारक चित्र बना आ साटि सकैत छी जेनाकि मनुख, जीव-जन्तु आदि आ बँसुरीक चारूकात वस्तुसभ साटि कऽ सजा सकैत छी, जङ्गल केर रोचक चित्र जेना कि जानवर, फूल आदि बना सकैत छी।
- आब बँसुरी पर बनाओल चित्रसभक उपयोग करैत एकटा खिस्सा गढ़ू। आ एकरा किछु क्रियाकलापक सङ्ग कक्षामे प्रस्तुत करू।
- अहाँ अपन चारूकातक कोनो वस्तुक उपयोग खिस्सा वा कथा सुनएबा काल बँसुरीक रूपमे कऽ सकैत छी। अहाँ बँसुरीक उपयोग प्रॉप केर रूपमे सेहो कऽ सकैत छी।
- स्वयंकेँ सङ्गीत वाद्ययन्त्रक रूपमे परिकल्पित करू आ बँसुरि बनि कऽ अभिनय करू।
- बँसुरी पर अहाँ कोनो गीत वा धुन बजबैत सरल अभिनय अभिव्यक्ति कऽ सकैत छी।

शिक्षकक टिप्पणी

बच्चासभकेँ बँसुरीक आवाज सुनबाक हेतु मानसिक रूपसँ तैयार कऽ कल्पना करक हेतु कहि सकैत छी जे भगवान श्रीकृष्ण गायिक झुण्डकेँ बँसुरी बजबैत खेतमे चरा रहल छथि। एहि विषय पर ओ सभ कोनो लोकगीत सेहो सीखि सकैत अछि। सभ गतिविधिकेँ 4-5 छात्रक समूहमे बाँटल जा सकैत अछि आ एहिमे पूरा वर्ग सम्मिलित भऽ सकैत अछि।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 3 प्रकृतिक सानिध्य

हम सभ प्रकृतिसँ प्रेम करैत छी, एकरा अनुभव करबाक प्रयास करैत छी आ प्रकृतिक लऽगमे रहैत छी। ओकर ध्वनि, रङ्ग आ हरियरीक आनन्द लैत छी। अहाँ सभ अपन कक्षाक भीतर एकटा जङ्गल सेहो बना सकैत छी।

- पन्नाक बीच मे एकटा फूल बनाउ। समूहक प्रत्येक बच्चा फूलक चारू कात किछु बना क' फुलबारी वा जङ्गल केर चित्र बनाउ।
- एकटा एहन खिस्सा गढ़ू जाहिमे फूल, चिड़ै, गाछ आ जानवर सेहो हो।
- एना क' घुमू जेना अहाँ कोनो जङ्गल दऽ क' जा रहल छी।
- उत्साहित छी? उत्सुकता अछि?
- कल्पना करु आ ओहि पर प्रतिक्रिया दियौ जेना अहाँ देखू (अपन प्रिय जानवर, फूलक सुगन्ध, पैघ पाथर आदि) आ ओहि पर प्रतिक्रिया दियौक।
- जङ्गल वा फुलबारीमे अहाँ कोन तरहक ध्वनि सुनए चाहब? (चिड़ै केर चहकब, पाइन बहब) केर ध्वनि बनबए केर प्रयास करू।
- एना सोचू जेना कि अहाँ जङ्गल वा उद्यान एहन कोनो प्राकृतिक परिवेशमे छी।

शिक्षकक टिप्पणी

बच्चासभ पशु, चिड़ै-चुनमुनी, प्रकृति आदि पर कोनो गीत सीखि सखैत अछि। उपरोक्त सभ गतिविधि 4-5 छात्रक समूहमे आयोजित कएल जा सकैत अछि आ एहिमे पूरा वर्ग सम्मिलित भऽ सकैछ।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 4 पाबनिक उत्सव

हमसभ विभिन्न पाबनि मनबैत छी। हमरासभकेँ सामान्यतः पैघ पाबनि-तिहारक समयमे छुट्टी भेटैत अछि, आ एहि सभसँ हमरासभकेँ जीवनमे बहुत आनन्द अबैत अछि। छोट पैघ कोनो पाबनि हमरा सभकेँ प्रसन्न कऽ दैत अछि। हमसभ पाबनिमे अपन घरकेँ साफ करैत छी आ सजबैत छी। नव कपड़ा पहिरैत छी, नीक-निकुत भोजन करैत छी, अपन मित्र आ सम्बन्धी सभसँ भेट-घाँट करैत छी ।

शिक्षक केर टिप्पणी

एहि गतिविधिक पाछाँ मुख्य विचार विभिन्न कलारूपक बीच सम्बन्ध विकसित करब अछि।

- बच्चा सभ पाबैनक गीत सीख सकैत अछि।
- विशेष अवसर लेल विद्यालयक प्रार्थना सभामे गतिविधि प्रस्तुत कएल जा सकैत अछि। कोनो विषय केर आधार पर विभिन्न कलारूप हेतु कक्षाकेँ समूहमे विभाजित करू। एहिसँ बच्चासभकेँ दर्शक केर सामना करक आ कलाक मध्य सम्बन्धक समझ बनएबाक अवसर भेटत।

- सङ्ग मनबएबला कोनो पाबनि चुनू।
- अपन समूहमे चर्चा करू जे अहाँ एकरा कोना मनबैत छी आ कोन तैयारी आवश्यक अछि, कोन विशेष व्यञ्जन वा खाद्य पदार्थ तैआर कएल जाइत अछि, अहाँ अपन घरकेँ कोना सजबैत छी, आ कोन गीत आ नृत्य ओहि पाबनिसँ सम्बन्धित अछि?
- अलग-अलग समूह निम्नलिखित काज कए सकैत अछि;
- कोनो पाबनि विशेषक लेल अरिपन अथवा सजाओट हेतु कागजक झालरि बनाउ।
- ओहि पर आधारित एकटा गीत सीखू
- भनसाघरक बर्तनसँ एकरा गाउ।
- एकटा घटना साझा करू जे एकटा पाबनि उत्सवक दौरान भेल छल।
- मनाओल जा रहल पाबनिसँ जुड़ल एकटा कहानी साझा करू आ अभिनय करू।
- पाबनिक गीतक लेल सरल चाल आ चरणक प्रयोग करू जाहिमे संगीतमय ध्वनिक लेल ओही भनसाघरक बर्तनक उपयोग करू।
- एहि अवसर पर पहिरल जायवला पारम्परिक पोशाक बनाउ।

© NCERT not to be republished

© NCERT
not to be republished